

उपयोगकर्ता पुस्तिका

नीचे एक विस्तृत सूची दी जा रही है। आप केवल इस सूची को ही पढ़कर इस अनुप्रयोग के 97% सुविधाओं का प्रयोग सरता पूर्वक कर सकेंगे।

परिवर्तन सूची

स्वराणि	व्यञ्जनानि	संख्या
अ a	क ख ग घ ङ	१ #1
आ ा A, aa	k kh g gh G	२ #2
इ ि i	च छ ज झ ञ	३ #3
ई ी I, ii	c ch j jh Y, J	४ #4
उ u	ट ठ ड ढ ण	५ #5
ऊ U, uu	T Th D Dh N	६ #6
ए e	त थ द ध न	७ #7
ऐ ै E, ai, ee	t th d dh n	८ #8
ओ ो o	प फ ब भ म	९ #9
औ ौ O, au, oo	p ph, t b bh m	० #0
ऋ R	य र ल व ळ	ड ढ
ं M	y r l v, w L	Dx Dhx
ः H	स श ष ह ळ	ल ॠ
ँ W	s sh S, Sh h \$	IR ~
ॉ AW	श्र त्र ज्ञ क्ष ॡ	ँ ॢ
व्यंजन+z	shr tr jY, jJ kSh !	MM ऋ
व्यंजन नुक्ता सहित	S l ll ॐ	लृ RR
यथा = ज+z ज्ञ	F . .. AUM Q	IRR

अनुप्रयोग वेबसाइट :- bit.ly/DEVweb.

भूमिका

यह देवनागरी लेखिका नामक अनुप्रयोग देवनागरी लिपि पर आधारित भाषाओं को अत्यन्त सरता एवं 100% सटिक रूप में लिखने के लिए बनाया गया है। इसके द्वारा किए गए परिवर्तनों

का आधार अंग्रेज़ी में लिखे जाने वाले हिन्दी एवं संस्कृत शब्दों का स्वरूप ही है, अर्थात् हमें उपर्युक्त सूची को समझने अथवा याद करने में कोई कठिनाई नहीं हो सकती। यह रूप तो हम सामान्यतः अंग्रेज़ी में प्रयोग करते हैं।

जैसे :- **shiv** == शिव **shubh** == शुभ

तो जैसा आपने देखा कि इस सूची को बड़े ही तर्कसंगत तरीके से बनाया गया है। इसकी यह तर्कसंगतता इसे प्रयोग बहुत सरल बना देता है।

यदापि उपर्युक्त सूची को पढ़ लेना देवनागरी लेखन के लिए पर्याप्त है, फिर भी कुछ नियम हैं जिनका ध्यान रखा जाना चाहिए। और मन में इस अनुप्रयोग के उपयोग के लेकर कोई शंका शेष न रहे इसके लिए नीचे उदाहरण भी दिए गए हैं।

1 – मात्राओं का प्रयोग

जैसा कि आप जानते हैं कि यदि मात्रा किसी व्यंजन के आगे आती है तो उस मात्रा के छिह में परिवर्तित हो जाती है। वही सिद्धान्त यहाँ भी है। यदि मात्रा को व्यंजन के साथ न लिखा तो वो अपने मूल रूप में रहती है।

आपको 'अ' मात्रा के प्रयोग को लेकर सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इसका कोई चिह्न नहीं है। वैसे यह पीड़ा आपको केवल हिन्दी भाषा प्रणाली में होगी (दो भाषा प्रणालियाँ हैं हिन्दी अथवा संस्कृत, इन पर आगे चर्चा की जाएगी)।

जैसे :- **g** = ग, **gk** = गक

ga = गा, **gak** = गक

मात्राओं को अलग से बाद लिखना

यदि आप मात्रा लगाना भूल गए या मात्रा बदलना चाहते हैं तो पूरा वर्ण लिखने पुनः लिखने की आवश्यकता नहीं केवल **'#'** चिह्न का प्रयोग करें।

k#o = को

dh#R = धृ

k#ai = कै

2 – कुछ भिन्न रूपों का लेखन

जैसा कि आपने सूची में देखा होगा कि कुछ वर्णों को लिखने एक से अधिक पर्याय उपलब्ध हैं। परन्तु यह सुविधा भी एक दिक्कत को जन्म देती है। आप क्या करेंगे यदि आप को **कउआ** लिखना हो? यदि आपने **kauA** सोचा तो यह कार्य नहीं करेगा। इसका समाधान नीचे देखते हैं।

आपको ऐसी स्थिति में **','** का प्रयोग करना चाहिए। नीचे के उदाहरणों के द्वारा आप सब कुछ समझ जाएंगे।

ka;uA = कउआ (**kauA=कौआ**)

so;ol = सोओल (**sool=सूल**)

k;ho = कहो (**kho=खो**)

ka;i = कइ (**kai=कै**)

3 – द्विभाषा प्रणाली

हम ऊपर ही कह आए थे कि दो कि इस अनुप्रयोग में द्विभाषा लेखन प्रणाली। हिन्दी एवं संस्कृत। परन्तु इन दोनों का अन्तर बहुत छोटा है। और इसका कारण इन भाषाओं का थोड़ा सा भिन्न होना (लेखन संदर्भ में)। चलिए हम नीचे इन दोनों का मूल्यांकन करते हैं और समझते हैं कि क्या अलग है।

<i>Code</i>	<i>Hindi</i>	<i>Sanskrit</i>
bhavAmyam shivoham .	भवाम्यहम् शिवोऽहम् ।	भवाम्यहम् शिवोऽहम् ।
tum kab jAoge .	तुम् कब जाओगे ।	तुम् कब जाओगे ।
aham ne boIA .	अहम् ने बोला ।	अहम् ने बोला ।

फर्क केवल इतना हि है कि हिन्दी मे हम अन्तिम व्यञ्जन को बोलते आधा परन्तु लिखते पूरा है। अर्थात्, हलन्त के साथ बोलते हैं परन्तु अ के साथ लिखते हैं । परन्तु संस्कृत मे जैसा बोला जाता है वैसा हि लिखा जाता है। अर्थात् यदि अ के साथ बोलेंगे तो हि अ लगाएंगे अन्यथा हलन्त हि छोड़ देंगे ।

पूर्वनिश्चित भाषा प्रणाली हिन्दी है जिसे विकल्प मे जाकर बदला जा सकता है ।

4 – Devanagari Lekhika सामान्य का परिचय

Devanagari Lekhika सामान्य इस अनुप्रयोग का सामान्य संस्करण है।

यदि देवनागरी से संकेताक्षर या संकेताक्षर से देवनागरी मे बदलना चाहते है तो इसका प्रयोग किया जा सकता है । परन्तु यह भी ध्यान मे रहे कि यह केवल सामान्य संस्करण है और इसमे सब सुविधाएं उपलब्ध नहिं हैं। आपको एक बार उसका प्रयोग विधि और मुख्यतः परिवर्तन सूची पढ़ लेनी चाहिए ।

5 – अन्य ध्यातव्य बातें

- आपको यह अनुप्रयोग अन्यथा मे चालू नहिं रखना चाहिए जब *आवश्यकता न हो तो कृपया इसे बन्द रखें(Windows+z दबाकर) ।*
- यदि कभी ऐसा हो कि यह अनुप्रयोग *काम न कर रहा हो तो कृपया इसे पुनरारंभ करने का कष्ट उठाएं ।*
- यदि आप अनुप्रयोग के मुख्य पृष्ठ को बन्द कर दें तो भी वह चल रहा होता है । पूर्णरूप से बन्द करने के लिए कार्यष्टि के छित्रक मे quit बदाकर बन्द करें ।
- Devanagari Lekhika सामान्य को वेब तकनीक से बनाया गया है । इसलिए वह बहुत लचीली है और किसी भी डिवाइस *मे कभी भी प्रयोग की जा सकती है।* आप इसे bit.ly/DEVOnline पर उपयग कर सकते हैं ।
- उपयोग मे रहने पर यह पांच मिनट बाद स्वयं हि बन्द हो जाएगा ।

उदाहरण

हिन्दी को लाल अथवा संस्कृत को नीले से दर्शाया गया है ।

<i>AUM shrI paraAtmane namaH .</i>	ॐ श्री परमात्मने नमः।
tum kab DAWkTar ke pAs jAoge .	तुम् कब डॉक्टर के पास जाओगे ।
<i>tvaM kurta gacchasi .</i>	त्वं कुत्र गच्छसि ।
ka; i log to vahAMM gae hI nahiM .	कइ लोग वहाँ गए ही नहिं ।
tum vidyAlay paDhxane jAte ho .	तुम् विद्यालय पढ़ने जाते हो ।
khilADxiyoM ne acchA pradarshana kiyA.	खिलाड़ियों ने अच्छा खेला ।
ka; uA roTI lekar bhAg gayA .	कउआ रोटी लेकर भाग गया ।
<i>cidAnandarUpaH shivoFhaM shivoFham .</i>	चिदानन्दरूपः शिवोऽहं शिवोऽहम् ।
<i>pitRRNAM gRhAM tartAsti .</i>	पितृणां गृहाः तत्रास्ति ।
<i>saha nAvatu . saha nObhunaktu . saha vIryaM karavAvahE.</i>	सह नावतु । सह नौभुनक्तु । सह वीर्यं रवावहै।

*tejasvi nAvadhItamastu mA vidviShAvahE .
AUM shAntiH ..*

तेजस्वि नावधीतमस्तु मा विद्विषावहे।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॐ ॥